Title : Regarding inclusion of banana in the category of fruits

श्रीमती स्मिता उदय वाघ **(**जलगांव**) :** महोदया, मैं आज जलगांव लोक सभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों, महाराष्ट्र राज्य और हमारे महान राष्ट्र के संपूर्ण कृषक समुदाय की सामूहिक मांग को आवाज़ देने के लिए खड़ी हुई हूँ।

बहुत लंबे समय से, लाखों भारतीयों के लिए एक मुख्य फल, केले को फलों की श्रेणी में उसका उचित स्थान नहीं दिया गया है। इस अनदेखी के कारण हमारे मेहनती किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, जो हमारे खाने की मेज पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए अथक परिश्रम करते हैं।

भारत के लोग अपने किसानों के लिए न्याय की मांग करते हैं! हम मांग करते हैं कि केले को एक फल के रूप में मान्यता दी जाए और अन्य फलों के समान लाभ और समर्थन दिया जाए।

यह मान्यता केवल शब्दार्थ का मामला नहीं है, इसके वास्तविक दुनिया के निहितार्थ हैं। केले को फलों की श्रेणी में शामिल करने से हमारे किसानों को बेहतर बाज़ार, मूल्य और प्रोत्साहन मिलेंगे। इससे उनकी आजीविका में सुधार होगा, उनकी उत्पादकता बढ़ेगी और हमारे राष्ट्र के विकास में योगदान मिलेगा।

मैं सरकार से आग्रह करती हूँ कि वह लोगों की आवाज़ सुनें और केले को फलों की श्रेणी में रखने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। आइये हम सब मिलकर अपने किसानों को सशक्त बनाने और देश की रीढ़ - कृषि को मजबूत करने के लिए काम करें। धन्यवाद।